301

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

हिंदी

1

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)
ए-24-25, सेक्टर-62, नोएडा-201309 (उ.प्र.)
Website: www.nios.ac.in, Toll Free No. 18001809393

पाठ-लेखक	
अरुण होता	सुधीर प्रताप सिंह
अनिल कुमार राय	नीलकंठ कुमार
अरुण कुमार मिश्र	प्रेम कुमार तिवारी
सुनीता जोशी	शिक्षा
किरण गुप्ता	अंशुमान ऋषि
अजय बिसारिया	सत्य प्रकाश सिंह
हरीश नवल	पुष्पलता श्रीवास्तव
सुरेश पंत	आशा शर्मा
मोनिका काद्यान	बालकृष्ण राय

Printed on 60 GSM NIOS Water Mark Paper

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

मई, 2023 (..... प्रतियाँ)

Published by the सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62 नोएडा-201309 (उ.प्र.)

नोएडा-201309 and Printed at M/s .....

सलाहकार-समिति

अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, (उत्तर प्रदेश)-201309

निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, (उत्तर प्रदेश)-201309

पाठ्यक्रम-समिति

श्री बल्देव भाई शर्मा (समिति अध्यक्ष)
कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता
एवं जनसंचार विश्वविद्यालय

प्रो. गुलाम मोईनुद्दीन खान
प्राचार्य, बी.जे.बी. आटोनोमस कॉलेज,
भुवनेश्वर, ओड़िशा

प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
केंद्रीय वि.वि., इलाहाबाद, उ.प्र.

डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
पूर्व प्राचार्य, डी.ए.वी. महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, उ. प्र.

प्रो. सत्यकाम
उप-कुलपति
इग्नू, नई दिल्ली

प्रो. लाल चंद राम
एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली

डॉ. अनिल कुमार राय
प्रोफेसर, श्यामलाल कॉलेज (सांध्य)
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. कैलाश गोयल
महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ
एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. शशि प्रकाश चौधरी
पूर्व प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, पीड़ावा,
झालावाड़, राजस्थान

प्रो. उषा शर्मा
प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी,
नई दिल्ली

प्रो. सुधीर प्रताप सिंह
प्रोफ़ेसर, सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेजेज़,
जे.एन.यू. नई दिल्ली

डॉ. सत्य प्रकाश सिंह
सहायक प्रोफ़ेसर, राजधानी कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

संपादक-मंडल

डॉ. शशि प्रकाश चौधरी
पूर्व प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, पीड़ावा,
झालावाड़, राजस्थान

डॉ. नीलकंठ कुमार
सहायक प्रोफ़ेसर (हिंदी विभाग),
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, उ. प्र.

प्रो. गुलाम मोईनुद्दीन खान
प्राचार्य, बी.जे.बी. आटोनोमस कॉलेज,
भुवनेश्वर, ओड़िशा

डॉ. प्रेम कुमार तिवारी
एसोसिएट प्रोफ़ेसर, दयाल सिंह कॉलेज
लोधी रोड, नई दिल्ली

डॉ. वेद प्रकाश
प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

डॉ. अंशुमान ऋषि
प्राध्यापक, कुलाची हंसराज मॉडल स्कूल
अशोक विहार, नई दिल्ली

पाठ-लेखक

डॉ. अरुण होता
प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, पश्चिम बंगाल
राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता

डॉ. सुधीर प्रताप सिंह
प्रोफ़ेसर, सेंटर फॉर इंडियन
लैंग्वेजेज़, जे.एन.यू. नई दिल्ली

डॉ. अनिल कुमार राय
प्रोफ़ेसर, श्यामलाल कॉलेज (सांध्य),
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. नीलकंठ कुमार
सहायक प्रोफ़ेसर (हिन्दी विभाग)
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

डॉ. सुनीता जोशी
पूर्व प्राध्यापक, केंद्रीय विद्यालय
पश्चिम विहार, नई दिल्ली

डॉ. अंशुमान ऋषि
प्राध्यापक, कुलाची हंसराज
मॉडल स्कूल, अशोक विहार,
नई दिल्ली

डॉ. हरीश नवल
रीडर (सेवानिवृत्त) हिंदी विभाग,
हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली

डॉ. आशा शर्मा
पी.जी.टी.,
सेंट जेवियर स्कूल, दिल्ली

डॉ. अरुण कुमार मिश्र
सहायक प्रोफ़ेसर, पी.जी.डी.ए.वी.
कॉलेज, नई दिल्ली

डॉ. शिक्षा
पूर्व पी.जी.टी.
क्वींस मैरी स्कूल दिल्ली

श्री अजय बिसारिया
एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग,
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
अलीगढ़

डॉ. पुष्पलता श्रीवास्तव
रीडर (सेवानिवृत्त)
शिक्षक शिक्षा विभाग, जामिया
मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

डॉ. मोनिका कादयान
शैक्षिक अधिकारी (हिंदी)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, उ. प्र.

डॉ. प्रेम कुमार तिवारी
एसोसिएट प्रोफ़ेसर,
दयाल सिंह कॉलेज नई दिल्ली

श्रीमती किरण गुप्ता
पूर्व पी.जी.टी., केंद्रीय विद्यालय,
नई दिल्ली

डॉ. सत्य प्रकाश सिंह
सहायक प्रोफेसर,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. सुरेश पंत
वरिष्ठ अध्यापक (सेवानिवृत्त)
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
नई दिल्ली

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, उ. प्र.

पाठ्यक्रम समन्वयकर्ता

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, उ. प्र.

रेखा चित्रांकन

श्री नवल किशोर
ग्राफिक आर्टिस्ट

डी.टी.पी. कार्य

शिवम् ग्राफिक्स
दिल्ली

आपके साथ दो शब्द

प्रिय शिक्षार्थी,

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर हिंदी के पाठ्यक्रम में आपका हार्दिक स्वागत है। हमें आशा है कि आप मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से अध्ययन करना पसंद करेंगे। आप जानते हैं कि हिंदी साहित्य की एक विशाल परंपरा रही है और दसवीं कक्षा तक आपने अनेक रचनाएँ भी पढ़ी होंगी और अपेक्षित भाषा-दक्षता भी हासिल की होगी।

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जिसका उद्देश्य एक ओर साहित्यिक रचनाओं से परिचित कराते हुए संवेदना, भावना एवं कल्पना का विकास करना है तथा दूसरी ओर भाषा के विभिन्न पक्षों से परिचित कराते हुए भाषा-कौशल का परिष्कार करना है। इसी उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम में अनेक विशेषताएँ समाविष्ट की गई हैं। कुछ इस प्रकार हैं:-

(क) साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का समावेशन; जैसे- कविता, कहानी, संस्मरण, रेखाचित्र, ललित निबंध, एकांकी, डायरी आदि।

(ख) लेखन-कौशल के विकास के लिए अनेक पाठों का निर्माण; जैसे- कार्यालयी पत्राचार, अनुच्छेद, फीचर व रिपोर्टिंग, मंच संचालन, जनसंचार, हिंदी और प्रौद्योगिकी इत्यादि।

(ग) पाठों की विस्तृत समीक्षा और मूल्यों का समावेशन।

(घ) सीखने के प्रतिफल तथा चित्र-प्रस्तुति आदि का समावेश।

(ङ) मूल्यांकन के लिए पाठगत प्रश्न तथा पाठांत प्रश्नों का निर्माण।

(च) बातचीत की शैली तथा अनेक उदाहरणों के माध्यम से ज्ञान का विस्तार।

(छ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेशन।

अतएव पूरे पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात आपकी साहित्यिक समझ विकसित होगी तथा भाषा दक्षता में अभिवृद्धि होगी और रचनात्मक क्षमता भी बढ़ेगी।

यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि हिंदी के पाठ ऑडियो-वीडियो रूप में भी उपलब्ध होंगे। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित 'स्वयं' प्लेटफॉर्म के अंतर्गत 'मूक्स' (मैसिव ओपन ऑन लाइन कोर्स) पर पूरी सामग्री तथा ऑडियो-वीडियो कार्यक्रम आपको मिलेंगे। साथ ही ई-विद्या चैनल पर कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण भी किया जाता है।

हम आशा करते हैं कि हिंदी का यह पाठ्यक्रम आपको रुचिकर और ज्ञानवर्धक लगेगा। आपके बहुमूल्य सुझाव महत्वपूर्ण होंगे।

शुभकामनाओं सहित।

पाठ्यक्रम-समन्वयक

अपने पाठ कैसे पढ़ें !

बधाई! आपने स्व-शिक्षार्थी बनने की चुनौती स्वीकार की है। एनआईओएस हर कदम पर आपके साथ है। आपकी पाठ्य-सामग्री हिंदी क्षेत्र के विशेषज्ञों की समिति ने तैयार की है। इसे विशेष रूप से आपकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है। आप स्वतंत्र रूप से स्वयं पढ़ सकें, इसके लिए इसे एक प्रारूप में ढाला गया है। निम्नलिखित संकेत आपको सामग्री का सर्वोत्तम उपयोग करने का तरीका बताएँगे। दिए गए पाठों को कैसे पढ़ना है, आइए जानें-

पाठ का शीर्षक : इसे पढ़ते ही आप अनुमान लगा सकते है कि पाठ में क्या दिया जा रहा है। इसे पढ़िए।

भूमिका : यह भाग आपको पूर्व जानकारी से जोड़ेगा और दी गई पाठ की सामग्री से परिचित कराएगा। इसे ध्यानपूर्वक पढ़िए। साथ ही यह विषय की पृष्ठभूमि देगा तथा आपको पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

उद्देश्य : प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप इस पाठ के उद्देश्यों को प्राप्त करने में समर्थ हो जाएँगे। इन्हें याद कर लीजिए और जाँच लीजिए कि आपने उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया।

बोध-प्रश्न : कुछ पाठों में आपकी आरंभिक पढ़ाई की जाँच-परख के लिए कुछ वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं। इन्हें हल करने से आप अपनी जाँच करके आगे बढ़ सकते हैं।

क्रियाकलाप : पाठ में स्थान-स्थान पर कुछ क्रियाकलाप दिए जा रहे हैं, जिन्हें आप सरलता से कर पाएँगे। ये आपको बेहतर ढंग से पाठ के बिंदु समझने में मदद करेंगे तथा विषय के और निकट लाएँगे। आप उन्हें स्वयं करने का प्रयत्न करें अथवा घर में बड़ों से या साथियों से चर्चा करें। ये क्रियाकलाप आपमें जीवन-कौशल विकसित करेंगे तथा व्याकरण का अभ्यास भी कराएँगे।

मूल पाठ : पाठ की संपूर्ण सामग्री को कई अंशों में विभाजित किया गया है। आप एक-एक कर इन्हें पढ़ें और समझते चलें। मूल पाठ को सही ढंग से समझने के लिए कठिन शब्दों के अर्थ भी दिए जा रहे हैं। ये वाचन के समय आपकी सहायता करेंगे। इन्हें याद कर लें, मूल पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें और जहाँ ज़रूरत समझें, पन्ने के हाशिए में दिए गए स्थान पर टिप्पणियाँ भी लिखते चलें।

आइए समझें: इसके अंतर्गत पाठ को विस्तार से समझाया गया है। कहीं कविता को खंडों में विभाजित करके, तो कहीं गद्य को तत्त्वों के आधार पर। इसका उद्देश्य आपको सरल भाषा में पाठ समझाना तथा भाषा-कौशल बढ़ाना है।

प्रत्येक पाठ में किसी संकल्पना के बाद उदाहरण देकर विषय को स्पष्ट किया गया है। ये उदाहरण आपको संकल्पनाएँ समझने में मददगार सिद्ध होंगे। उन्हें रुचि के साथ पढ़िए।

पाठगत प्रश्न : इसमें एक शब्द अथवा एक वाक्य में पूछे गए प्रश्न हैं तथा कुछ वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। ये प्रश्न पढ़ी हुई इकाई पर आधारित हैं, इनका उत्तर आपको देते चलना है। इसी से आपकी प्रगति की जाँच होगी। ये सवाल हल करते समय आप हाथ में पेंसिल रखिए और जल्दी-जल्दी सवालों के समाधान ढूँढते चलिए और अपने उत्तरों की जाँच पाठ के अंत में दी गई उत्तरमाला से कीजिए। उत्तर ठीक न होने पर इकाई को पुनः पढ़िए।

आपने क्या सीखा/चित्र-प्रस्तुति : यह पूरे पाठ का संक्षिप्त रूप है। इन मुख्य बिंदुओं को याद कीजिए। यदि आप अपने अनुभव की मिलती-जुलती कुछ नई बातें जोड़ना चाहते हैं, तो उन्हें भी वहीं बढ़ा सकते हैं। साथ ही यथास्थान चित्र-प्रस्तुति भी दी गई है ताकि आप आसानी से पाठ को समझ सकें।

सीखने के प्रतिफल : पाठ पढ़ने के बाद आप क्या-क्या सीख गए हैं, उन्हें भी रेखांकित किया गया है।

योग्यता-विस्तार : प्रत्येक पाठ का यह अंश उन विद्यार्थियों के लिए है, जो पाठ से संबंधित अधिक ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। उनके लिए हम कुछ अन्य जानकारियाँ और स्रोत बताते हैं; जैसे– संबंधित पाठ किसने लिखा, क्यों लिखा, और उस लेखक या कवि ने क्या-क्या लिखा आदि। इसके अंतर्गत दी गई जानकारी का परीक्षा में मूल्यांकन नहीं होगा। कहीं-कहीं इसे बॉक्स में दिया गया है।

पाठांत प्रश्न : पाठ के अंत में लघु उत्तरीय तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। इन्हें आप अलग पन्नों पर लिखकर अभ्यास कीजिए। यदि आप चाहें तो अध्ययन-केंद्र पर अपने शिक्षक या किसी अन्य व्यक्ति को दिखा सकते हैं और उनसे सुझाव ले सकते हैं।

उत्तरमाला : इनके माध्यम से आप बोध-प्रश्नों तथा पाठगत प्रश्नों के उत्तर का मिलान कर सकते हैं।

उच्चतर माध्यमिक स्तर
(हिंदी)
पाठ्य सामग्री : एक दृष्टि

पाठ 1. निर्गुण भक्तिकाव्य : कबीर और जायसी पाठ
पाठ 2. सगुण भक्तिकाव्य : तुलसीदास, सूरदास और मीराँबाई
पाठ 3. रीतिकाव्य : बिहारी और पद्माकर
पाठ 4. छायावादी काव्य : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और जयशंकर प्रसाद
पाठ 5. उत्तर छायावादी कविता : दिनकर और बच्चन
पाठ 6. नयी कविता : अज्ञेय और भवानीप्रसाद मिश्र
पाठ 7. साठोत्तरी कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और दुष्यंत कुमार
पाठ 8. समकालीन कविता (आज की कविता) : राजेश जोशी तथा नरेश सक्सेना
पाठ 9. चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी
पाठ 10. पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ : हरिशंकर परसाई
पाठ 11. दो कलाकार : मन्नू भंडारी
पाठ 12. जिजीविषा की विजय : कैलाश चंद्र भाटिया
पाठ 13. सुभद्रा कुमारी चौहान : महादेवी वर्मा
पाठ 14. कुटज : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
पाठ 15. ठेस : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

पाठ 16. रीढ़ की हड्डी : जगदीशचन्द्र माथुर
पाठ 17. अंडमान डायरी : श्रीकांत वर्मा
पाठ 18. यक्ष-प्रश्न : चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
पाठ 19. लेखन-कौशल : अनुच्छेद लेखन, फीचर तथा रिपोर्टिंग
पाठ 20. कार्यालयी पत्राचार
पाठ 21. टिप्पण और प्रारूपण
पाठ 22. सभा एवं मंच संचालन और उद्घोषणा
पाठ 23. हिंदी के विविध प्रयुक्ति-क्षेत्र
पाठ 24. हिंदी और जनसंचार-माध्यम
पाठ 25. हिंदी और प्रौद्योगिकी

विषय-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ सं.
पाठ 1.	निर्गुण भक्तिकाव्य : कबीर और जायसी	1-10
पाठ 2.	सगुण भक्तिकाव्य : तुलसीदास, सूरदास और मीराँबाई	11-32
पाठ 3.	रीतिकाव्य : बिहारी और पद्माकर	33-46
पाठ 4.	छायावादी काव्य : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और जयशंकर प्रसाद	47-66
पाठ 5.	उत्तर छायावादी कविता : दिनकर और बच्चन	67-82
पाठ 6.	नयी कविता : अज्ञेय और भवानीप्रसाद मिश्र	83-102
पाठ 7.	साठोत्तरी कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और दुष्यंत कुमार	103-119
पाठ 8.	समकालीन कविता (आज की कविता) : राजेश जोशी तथा नरेश सक्सेना	120-141
पाठ 9.	चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी	142-160
पाठ 10.	पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ : हरिशंकर परसाई	161-177
पाठ 11.	दो कलाकार : मन्नू भंडारी	178-201
पाठ 12.	जिजीविषा की विजय : कैलाश चंद्र भाटिया	202-221
पाठ 13.	सुभद्रा कुमारी चौहान : महादेवी वर्मा	222-243
पाठ 14.	कुटज : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	244-269
पाठ 15.	ठेस : फणीश्वरनाथ 'रेणु'	270-289

टिप्पणी : यह पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित है :-

I. शिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य(टीएमए) के लिए पाठ

II. सार्वजनिक परीक्षा के लिए पाठ

भाग (II) का निम्नांकित रूप में पुन: विभाजन किया गया है:-

(क) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के लिए पाठ

(ख) विषयनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के लिए पाठ

विभिन्न भागों से संबंधित विवरण अगले पृष्ठ पर दिया गया है:-

हिंदी (301)

पाठ्यक्रम का वर्गीकरण

कुल पाठ : 25	I शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र (पाठ्यक्रम का 40%)	II सार्वजनिक परीक्षा (पाठ्यक्रम का 60%)	
		क वस्तुनिष्ठ (50%) 08 पाठ	ख विषयनिष्ठ (50%) 08 पाठ
	09 पाठ		
	पाठ-1: निर्गुण भक्तिकाव्य : कबीर और जायसी पाठ-4: छायावादी काव्य : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और जयशंकर प्रसाद पाठ-6: नयी कविता : अज्ञेय और भवानीप्रसाद मिश्र पाठ-11: दो कलाकार : मन्नू भंडारी पाठ-12: जिजीविषा की विजय : कैलाश चंद्र भाटिया पाठ-14: कुटज : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी पाठ-18: यक्ष-प्रश्न : चक्रवर्ती राजगोपालाचारी पाठ-19: लेखन-कौशल : अनुच्छेद लेखन, फीचर तथा रिपोर्टिंग पाठ-22: सभा एवं मंच संचालन और उद्घोषणा	पाठ-2: सगुण भक्तिकाव्य : तुलसीदास, सूरदास और मीराँबाई पाठ-5: उत्तर छायावादी कविता : दिनकर और बच्चन पाठ-7: साठोत्तरी कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और दुष्यंत कुमार पाठ-13: सुभद्रा कुमारी चौहान : महादेवी वर्मा पाठ-16: रीढ़ की हड्डी : जगदीशचन्द्र माथुर पाठ-17: अंडमान डायरी : श्रीकांत वर्मा पाठ-20: कार्यालयी पत्राचार पाठ-25: हिंदी और प्रौद्योगिकी	पाठ-3: रीतिकाव्य : बिहारी और पद्माकर पाठ-8: समकालीन कविता (आज की कविता) : राजेश जोशी तथा नरेश सक्सेना पाठ-9: चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी पाठ-10: पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ : हरिशंकर परसाई पाठ-15: ठेस : फणीश्वरनाथ 'रेणु' पाठ-21: टिप्पण और प्रारूपण पाठ-23: हिंदी के विविध प्रयुक्ति-क्षेत्र पाठ-24: हिंदी और जनसंचार-माध्यम